

77वाँ भारतीय सेना दविस

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

भारतीय सेना दविस प्रतेक वर्ष 15 जनवरी को जनरल (फील्ड मार्शल) के.एम. करयिप्पा की वर्ष 1949 में भारतीय सेना के प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में नयुक्तिकी स्मृति में मनाया जाता है।

- उन्होंने ब्रिटिश जनरल सर एफ.आर.आर बुचर का स्थान लिया, जो भारत के स्वतंत्रता-पश्चात सैन्य नेतृत्व में एक ऐतिहासिक क्षण था।
 - वर्ष 2025 थीम: 'समर्थ भारत, सक्षम सेना' ('Samarth Bharat, Saksham Sena') (सक्षम भारत, सशक्त सेना)।
 - मेज़बान: पहली बार सेना दविस परेड की मेज़बानी पुणे द्वारा की गई है, जो इसके सैन्य महत्त्व पर ज़ोर देता है।
 - यहाँ दक्षिणी कमान, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) और DRDO जैसी प्रमुख प्रतिष्ठान स्थिति है।
 - रक्षा सुधारों का वर्ष: भारत सरकार ने वर्ष 2025 को "रक्षा सुधारों का वर्ष" (Year of Defence Reforms) घोषित किया है, जिसका उद्देश्य थ्रिटर कमांडों को एकीकृत करना, तीनों सेनाओं के बीच तालमेल स्थापित करना तथा सैन्य खरीद को सुव्यवस्थित एवं स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ावा देना है।
 - सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दविस: भारतीय सशस्त्र सेना के भूतपूर्व सैनिकों की सेवा और बलिदान के सम्मान में प्रतिवर्ष 14 जनवरी को मनाया जाता है।
 - यह दविस वर्ष 1953 में के.एम. करयिप्पा की सेवानिवृत्तिका प्रतीक है।
- भारतीय नौसेना दविस: 4 दिसंबर।
- भारतीय वायु सेना दविस: 8 अक्टूबर।

और पढ़ें: [भारतीय सेना दविस](#)